

SHRI RAJEEV TARANATH

Shri Rajeev Taranath is an Internationally acclaimed performer and one of the world's leading exponents of the Sarod. A distinguished disciple of Maestro Ali Akbar Khan, his performances masterfully combine the depth and rigor of the tradition of Hindustani classical music with an inspired imagination and emotional intensity.

2. Born on October 17, 1932, Shri Taranath hailed a prodigy in Hindustani vocal music. He had been earlier trained by his father Pandit Taranath and other eminent musicians and was a concert and radio artist before he was twenty. He has toured extensively as a performer in India, Australia, Europe, Yemen and throughout the U.S. He has also composed music for several nationally and internationally honored Indian films. In 1980 he was the subject of a documentary made for the television in Eden, Yemen, entitled Finnan Min-Al-Hind (Artist from India).

3. Shri Taranath's distinctive musicianship demonstrates striking imaginative power, technical excellence and emotional range. He is respected for the clarity of musical understanding which he brings to the unfolding of a raga and the beauty of the tone he evokes from the sarod. The New York Times (April 14, 1982) described his music by commenting with great enthusiasm about the exuberance and versatility of his playing, which ranged from the spiritual to the spirited.

4. Shri Tananath was a Ford Foundation scholar (1989 to 1992) and researched during this period on the Teaching Techniques of the Maihar-Allauddin Gharana. Rajeev has also received guidance from Pandit Ravi Shankar and Shrimati Annapurna Devi. From 1995-2005 he was a member of the music department faculty at the prestigious California Insitute of the Arts in Los Angeles, California. He has been frequently performing and touring throughout India and internationally with concert engagements for major Indian music conferences, Universities, western chamber music series, world music festivals and Indian cultural organizations dedicated to the presentation of high caliber Indian classical music.

5. Shri Taranath is the recipient of the Sangeet Natak Academi Award for 1999-2000, given in recognition of outstanding achievement in the field of Hindustani Instrumental music. In 1998 he received the prestigious national Award, 'Chowdiah Award for Music' from the Government of Karnataka for excellence in the field of instrumental music. He has also received the Sangeet Nritya Akademi Award in 1993 and the Karnataka Rajya Prashasti in 1996from the Government of Karnataka for his contribution to music.



श्री राजीव तारानाथ



श्री राजीव तारानाथ एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार हैं और सरोद के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी हस्तियों में से एक हैं। आप उस्ताद अली अकबर खान के एक योग्य शिष्य हैं, आपकी वादनशैली में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परम्पराओं की गंभीरता और दृढ़ता का बेहतरीन मेल प्रेरणास्पद कल्पना और भावनात्मक गहराई के साथ देखने को मिलता है।

2. आपका जन्म 17 अक्तूबर, 1932 को हुआ था। आपने हिंदुस्तानी गायन संगीत में विलक्षणता हासिल की। आपको प्रारंभिक प्रशिक्षण आपके पिता पंडित तारानाथ तथा अन्य विख्यात संगीतकारों से प्राप्त हुआ और आप 20 वर्ष की आयु से पहले संगीत-गोष्ठी तथा रेडियो के कलाकार बन गए थे। आपने एक कलाकार के रूप में भारत, आस्ट्रेलिया, यूरोप, यमन और पूरे अमेरिका में कई दौरे किए। आपने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है। आप पर 1980 में ईडन और यमन में टेलिविजन के लिए एक वृत्तचित्र फिना मिन-अल-हिंद (भारत का कलाकार) बनाया गया।

3. श्री तारानाथ की विलक्षण संगीत शैली में असाधारण कल्पना शक्ति, तकनीकी उत्कृष्टता और भावनात्मक विविधताओं की झलक मिलती है। संगीत की स्पष्टता की समझ जो आपके राग के विकास और सरोद पर निकलने वाले सुरों के सौंदर्य में झलकती है, के लिए आपका सम्मान किया जाता है। द न्यूयार्क टाइम्स (14 अप्रैल,1982) ने जोश के साथ आपके संगीत पर टिप्पणी करते हुए आपके वादन की उस गम्भीरता और विलक्षणता का उल्लेख किया जो आध्यात्मिक से सजीवता की ओर साकार हो जाती है।

4. श्री तारानाथ फोर्ड फांडडेशन के स्कॉलर (1989 से 1992) रहे हैं और इस अवधि के दौरान आपने मैहर-अलाउद्दीन घराने की शिक्षण तकनीकों पर शोध किया। आपको पंडित रवि शंकर और श्रीमती अन्नपूर्ण देवी का भी मार्गदर्शन मिला। आप 1995 से 2005 तक लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया के विख्यात कैलिफोर्निया इंस्टट्यूट ऑफ द आर्ट्स के संगीत विभाग संकाय के सदस्य रहे। आप प्रमुख भारतीय संगीत सम्मेलनों, विश्वविद्यालयों वेस्टर्न चैम्बर संगीत सीरीज, विश्व संगीत समारोहों और उच्च कोटि के भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति के लिए कार्य कर रहे भारतीय सांस्कृतिक संगठनों और संगीत समारोहों के लिए अक्सर संपूर्ण भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम पेश करते हैं और भ्रमण पर जाते रहते हैं।

5. आपको भारतीय वाद्य संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित करते हुए वर्ष 1999-2000 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वाद्य संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 1998 में कर्नाटक सरकार से आपको गौरवमयी राष्ट्रीय पुरस्कार "संगीत के लिए चौधिया" पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। आपको 1993 में संगीत नृत्य अकादमी पुरस्कार भी प्राप्त हुआ और संगीत के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए कर्नाटक सरकार से 1996 में कर्नाटक राज्य प्रशस्ति भी प्राप्त हुई है।